आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–11 जुलाई 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण। कहा – बाढ़ से कटान के कारण कृषि भूमि खो चुके किसानों को दिया जाएगा जमीन का पट्टा।
- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित सात हजार सात सौ बीस लेखपालों को मुख्यमंत्री ने वितरित किये नियुक्ति पत्र।
- लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर दूध के टैंकर से टकराई डबल डेकर बस। हादसे में अट्ठारह की मौत, उन्नीस घायल।
- लखनऊ में आज से शुरू होगा आम महोत्सव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे उद्घाटन।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री भी वितरित की। मुख्यमंत्री ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री और पीलीभीत के सांसद जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को बचाव और राहत कार्य युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। श्री योगी ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कुशलतापूर्वक राहत कार्य संचालित करने के भी निर्देश दिए। पीलीभीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियां उथली होने से बाढ़ आती है इसलिए नदियों का चैनलाइजेशन कराने के निर्देश विभागीय मंत्री को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी किसान की कृषि योग्य जमीन नदी में कट जाती है तो उस किसान को तुरंत जमीन का पट्टा दिया जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों से जमीन तलाशने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वक्त प्रदेश के बारह जनपद बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ से 12 जनपद वर्तमान में प्रदेश के प्रभावित है और इनके 12 जनपदों में राहत और बचाव के कार्य युद्धस्तर पर चलाये जा रहे है और जनपद लखीमपुर में लगभग 1 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित है और इसमें यहां पर अभी तक यद्यपि कोई जनहानि, पशुहानि नहीं होने के समाचार अभी देखने को मिले हैं। बचाव क लिये हम लोगों ने एनडीआरएफ, एचडीआरएफ, पीएसी विप्रण यूनिट इन सबको तो लगाया ही है स्थानीय गोताखोर भी है। हर ग्राम पंचायत में नौकाओं की व्यवस्था के लिये कहा गया हैं यहां पर 38 बाढ़ चौकियां भी स्थापित की गई है।

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण लखीमपुर खीरी में शारदा नदी, बाराबंकी और अयोध्या में घाघरा, बलरामपुर में राप्ती, सिद्धार्थनगर में बूढ़ी राप्ती और गोंडा में क्वानो नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं बदायूं में गंगा, बलिया–श्रावस्ती में घाघरा, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में राप्ती खतरे के निशान से महज आधा मीटर नीचे बह रही है। पेश है हमारे प्रतिनिधि की रिपोर्ट...

आकाशीय बिजली गिरने से प्रतापगढ़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि सुल्तानपुर में छह और चंदौली जिले में पांच लोगों की जान चली गई. राज्य के 12 जिलों लखीमपुर खीरी,सीतापुर,पीलीभीत श्रावस्ती,बलरामपुर,बस्ती,बाराबंकी,गोंडा,बलिया,सिद्धार्थ नगर,शाहजहांपुर,और कुशीनगर के 633 गांव बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे हैं। बाढ़ के कारण हजारों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई है और करीब 8 लाख लोग प्रभावित हैं। मैलानी जंक्शन को गोंडा से जोड़ने वाला रेल मार्ग पानी में डूब गया है, जबकि बाराबंकी को गोंडा, बहराइच और अन्य नेपाल सीमावर्ती जिलों से जोड़ने वाले एलिगन रोड पुल में दरारें आ गई हैं। राहत और बचाव टीमों ने 10,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है.

वहीं, मौसम विभाग की ओर से प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग का पूर्वानुमान है कि आज पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित सात हजार सात सौ बीस लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरण प्रक्रिया का कल लखनऊ से शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, उनके हितों के लिए सरकार पूरी ताकत लगा रही है। उन्होंने सभी चयनित लेखपालों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वरोजगार के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन हुआ है। इन योजनाओं के फलस्वरूप बासठ लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी चार हजार सात सौ नई नियुक्तियों के लिए अधियाचन भेजा जा चुका है। बहुत शीघ्र उसे भी पूरा किया जाएगा।

यह प्रक्रिया है कि 7720 लेखपालों के पद प्रदेश के अन्दर भरे गये और मैं कह सकता हूं निर्वाचन से लेकर के नियुक्ति पत्र वितरण की इस पूरी प्रक्रिया में चयन की प्रक्रिया हो या उनको नियुक्ति पत्र देकर जिला आवंटित करने की। किसी को सिफारिस कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। क्योंकि उसे मालूम है कि उसे विश्वास है और युवाओं का ये विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

इसी क्रम में प्रदेशभर में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने आजमगढ़ में दो सौ तीस, गोरखपुर में दो सौ नौ, प्रतापगढ़ में एक सौ सनतावन, आगरा में सनतावन, झांसी में एक सौ दस, हमीरपुर में बयासी, बलिया में, एक्यावन नव नियुक्तों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

****

उन्नाव जिले में बांगरमऊ के पास कल सुबह लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर एक डबल डेकर बस के दूध के टैंकर से टकराने से अट्ठारह लोगों की मौत हो गई, जबकि उन्नीस लोग घायल हो गए। यह बस बिहार के सीतामढ़ी से दिल्ली आ रही थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस काफी क्षतिग्रस्त हो गई और लोग बस से बाहर जा गिरे। पुलिस और अन्य आपातकालीन कर्मी पीडितों को वहां से निकालने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जिला प्रशासन ने हेल्प लाइन नंबर जारी किए हैं। ये नंबर हैं–0 5 1 5– 2 9 7 0 7 6 7, 9 6 5 1 4 3 2 7 0 3, 9 4 5 4 4 1 7 4 4 7, 8 8 8 7 7 1 3 6 1 7 और 8 0 8 1 2 1 1 2 8 9

उन्नाव के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा ने बताया कि घायलों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है, जबकि पांच घायल यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क दुर्घटना में मरने वालों के प्रति दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वे इस खबर से बेहद दुखी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन राज्य सरकार की निगरानी में पीड़ितों की हरसंभव सहायता कर रहा है। श्री मोदी ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो–दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि और घायलों को पचास–पचास हजार रूपये देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के उचित उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये हैं।

****

प्रदेश के आम उत्पादकों को अतंर्राष्ट्रीय बाजार में कम कीमत पर अपना माल पहुंचाने की सुविधा देने के लिये सरकार यमुना एक्सप्रेस–वे टेस्टिंग और पैकिंग सेन्टर बनायेगी, जहां से भविष्य में जेवर एयरपोर्ट के जरिये कारगो विमानों से विभिन्न देशों तक आम पहुंचाया जा सकेगा। प्रदेश के कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कल बताया कि पिछले वर्ष जहां विदेशों में प्रदेश के 44 मीट्रिक टन आम की खेप भेजी गई थी वहीं इस साल अब तक 70 मीट्रिक टन आम विभिन्न देशों के बाजार में भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आम महोत्सव का उद्घाटन राजधानी लखनऊ में करेंगे, जो अगले दो दिनों तक चलेगा। पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश का आम प्रमुख तौर पर रूस, दुबई और बहरीन भेजा गया था। वहीं इस वर्ष इस सूची में जापान भी शामिल हो जायेगा, जहां लोग प्रदेश के मशहूर किस्मों के आम का स्वाद चख सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बागवानी को प्रोत्साहन देने के लिये खाली पड़ी जमीन को प्राइवेट कम्पनियों और विभिन्न संस्थानों को मुहैया करायेगी, ताकि अधिक से अधिक फलों का उत्पादन बढ़ सके।

****

लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश में पचास वर्ष की आयु पूरी कर चुके सात सौ अड़तालीस पुलों की जांच पूरी कर ली है, जिसमें तिरासी पुलों को यातायात के लिये सुरक्षित नहीं पाया गया है। सर्वाधिक दस असुरक्षित पुल कानपुर क्षेत्र में पाये गये हैं। अभी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बने मार्गों पर पुल की जांच बाकी है।

****